New Duniya Pratinidhi - Raipur

EDII

09 December, 2021

ईडीआइआइ | **आइआइआइटी रायपुर और गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर करेंगे मदद**

ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमी तैयार करने को सरकार के साथ करार

रायपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। राज्य में जमीनी स्तर पर उद्यमी तैयार करने की दिशा में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआइआइ) ने पहल की है। इसमें राज्य सरकार, रायपुर के आइआइआइटी रायपुर और गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर व राज्य सरकार के साथ करार हुआ है। रायपुर के फाफाडीह स्थित होटल में आयोजित कार्यक्रम में संस्थान ने यह जानकारी दी।

ईडीआइआइ के महानिदेशक डाक्टर सुनील शुक्ल ने बताया कि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआइआइ) अहमदाबाद भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से उत्कृष्टता केंद्र यानी सेंटर आफ एक्सलीलेंस के रूप में मान्यता प्राप्त है। ईडीआइआइ ने राज्य में पिछले चार वर्षों से विहान कार्यक्रम के तहत कार्य कर रहा है। इसके तहत चार ब्लाकों में 8000 से अधिक आजीविका उद्यमियों को बढ़ावा दिया है। इसमें ग्रामीण, आदिवासी व महिलाएं शामिल हैं। छत्तीसगढ़ एक संसाधन संपन्न राज्य है। इसमें लाजिस्टिक्स, रत्न, आभूषण, खाद्य संस्करण, कपड़ा, दवा, आवश्यक तेल, जैव ईंधन, कृषि आदि में अपार संभावनाएं हैं। ईडीआइआइ चार दशकों के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ आदिवासी व ग्रामीण आबादी के जीवन में बदलाव लाने के लिए कार्य कर रहा है। राज्य में समृद्ध वनस्पतियों व जीवों, पारंपरिक कला, शिल्प, कपड़ा, संस्कृति विशेष रूप से दूरस्थ और नक्सलप्रभावित क्षेत्रों में संस्थान कार्य करेगी। यहां पर ग्रामीणों को उनकी समृद्ध संस्कृति के बारे में बताया जाएगा और उद्यमिता के लिए मदद की जाएगी।

रायपुर मे कार्यक्रम के दौरान मौजूद भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के पदाधिकारी। ● नईदुनिया

आयोजन

- **चार ब्लाकों में 8,000 से अधिक आजीविका उद्यमों को दे चुके हैं बढ़ावा**
- **रायपुर के फाफाडीह स्थित होटल में कार्यक्रम आयोजित**

रायपुर में खुला केंद्रीय कार्यालय

ईडीआइआइ के डा. अमित द्विवेदी ने बताया कि हाल ही में रायपुर में केंद्रीय संस्थान का कार्यालय खोला गया है, ताकि उद्यमिता शिक्षा अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक संस्थानों, सरकार व उद्योग के बीच परस्पर सहयोग का माहौल तैयार हो सके। साथ ही आम लोगों को उद्यमी बनाकर रोजगार के अवसर को बढ़ावा दिया जा सके।